नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत-अमेरिका रिश्ते : फिर से सुधार के संकेत

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात ने दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती दी है. यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब भारत और अमेरिका के बीच कुछ आर्थिक तनाव के बावजूद रणनीतिक साझेदारी की संभावनाएं कहीं अधिक बड़ी और दूरगामी हैं. इस एक घंटे की बातचीत ने न केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊर्जा दी बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता और क्वाड सहयोग को भी केंद्र में रखा. पिछले कुछ महीनों में रिश्तों में हल्का तनाव देखा गया था. रूस से तेल आयात को लेकर अमेरिका की आपत्तियों और ट्रंप प्रशासन द्वारा अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने से व्यापार जगत में चिंता का माहौल रहा. इसके साथ ही एचबी वन वीज़ा पर 1,00,000 डॉलर का शुल्क भारतीय पेशेवरों के लिए बड़ी चुनौती बनकर सामने आया. लेकिन इन सबके बीच भी यह स्पष्ट है कि भारत और अमेरिका दोनों यह समझते हैं कि मतभेदों को सहयोग में बदलना ही भविष्य की राह है. यही वजह है कि जयशंकर और रुबियो ने बातचीत के दौरान व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, दवाइयों और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर विशेष जोर दिया.

भारत-अमेरिका संबंध आज केवल द्विपक्षीय दायरे में सीमित नहीं हैं. क्वाड के मंच पर दोनों देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए सहयोग कर रहे हैं. चीन की आक्रामक नीतियों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत और अमेरिका का सहयोग लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा ढांचे के लिए अपरिहार्य हो चुका है. यही कारण है कि दोनों नेताओं ने नियमित संपर्क और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर मिलकर आगे बढ़ने की सहमति जताई. व्यापार समझौते की दिशा में भी ठोस कदम उठाए गए हैं. केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अमेरिकी अधिकारियों से हुई बैठक ने संकेत दिया कि जल्द ही एक बड़ा व्यापार समझौता अंतिम रूप ले सकता है. दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है. यह न केवल व्यापारिक अवसर बढ़ाएगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की अस्थिरताओं के बीच स्थिरता भी प्रदान करेगा.

एस जयशंकर ने इस दौरे के दौरान केवल अमेरिका ही नहीं, बल्कि यूरोपीय संघ और अन्य साझेदार देशों से भी मुलाकात की. यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ हुई चर्चा में यूक्रेन संकट, गाजा, ऊर्जा और व्यापार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे केंद्र में रहे. यह भारत की बहुस्तरीय कूटनीति की झलक है, जहां अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों के साथ समानांतर संवाद चलता है. स्पष्ट है कि भारत अब केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक विमर्श का केंद्र बन चुका है. अमेरिका के साथ रिश्ते केवल आर्थिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं; यह रक्षा, रणनीति और लोकतांत्रिक मूल्यों की साझा धुरी भी है. चुनौतियां अवश्य हैं—चाहे वह टैरिफ की हो या वीजा नीति की—लेकिन इनसे रिश्तों की दिशा प्रभावित नहीं होगी. आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच सहयोग का दायरा और गहराई निश्चित रूप से बढ़ेगी. भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर का यह दौरा इस बात का प्रतीक है कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर आत्मविश्वास और संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है. 27 सितंबर को जब वे यूएन के मंच से विश्व को संबोधित करेंगे, तब भारत का यह बढ़ा हुआ कद और स्पष्ट दृष्टि एक बार फिर सामने आएगी. आज की दुनिया में भारत-अमेरिका संबंध केवल दोनों देशों के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और समृद्धि के लिए भी निर्णायक हैं.

लुत्फ उठाइए भविष्य के स्वाद का

चिराग पासवान

केंद्रीय मंत्री के रूप मेंसितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा . उन चार दिनों के दौरान, मैंनेखेत से लेकर भोजन की थाली तक केपूरे इकोसिस्टसम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओऔर एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को – एक साथ आते देखा. इसने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूपभारत को विश्वे की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआईकी भूमिका की पुष्टि की

> प्रधानमंत्री ने कहा है, भारत की खाद्य विविधता प्रत्येक वैश्विक निवेशक के लिए लाभांश है. खाद्य प्रसंस्करण ही वह कड़ी है, जो इस क्षमता को रोज़गार, किसानों की बेहतर आमदनी और अधिक मूल्यवर्धित निर्यात में बदल देती है. सभी पाठकों, हितधारकों और शुभचिंतकों के लिए : वर्ल्ड फ़ूड इंडिया 2025 में हमारे साथ जुड़िए और इस बात के साक्षी बनिए- कि किस प्रकार1 .4 बिलियन आबादी वाला राष्ट्र तकनीक, नवाचार और समर्पण से समृद्धि के लिए प्रसंस्क रण कर रहा है. तो तैयार हो जाइए, एक ऐसे आयोजन के लिए- जहाँ साहसिक दृष्टिकोण और शानदार स्वाद मिलकर संभावनाओं की एक नई दुनिया को प्रेरित करते हैं.

उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की. खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूडि औरडब्यूं ी ईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्याकदा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरतपहले से कहीं अधिकहै . हमने अगले संस्करण को और भी ज्याखदा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया. इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है. अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है. इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई2025 की मेज़बानी के लिए तैयार हैं. इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है. इस संस्करण में न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फ़ोकस देश होंगे. सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुएत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्थासनीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे. डब्ल्यूएफआईप्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बीमंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेज़बानी करेगा. डब्ल्यूएफआईपूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है.

जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयोंजैसे –पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें. डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभों- स्थिरता और नेट-ज़ीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वालेपशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है. प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके.

पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दर्शाती है. नि:शुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है. उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं. इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं.

(लेखक केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं. ये लेखक के निजी विचार हैं.)

दिल्ली डायरी

पीके के पोल खोल अभियान से बिहार की राजनीति में उथल-पुथल

प्रवेश कुमार मिश्र

बिहार की राजनीति में इन दिनों जनसुराज पार्टी के प्रणेता व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के आक्रामक रुख से विपक्षी दलों के साथ-साथ सत्ताधारी भाजपा व जदयू के नेता परेशान हैं. प्रशांत किशोर इन दिनों भाजपा व जदयू के महत्वपूर्ण नेताओं पर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर बिहार की राजनीति में उथल-पुथल मचाए हुए हैं. उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, कैबिनेट मंत्री अशोक चौधरी, बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और सांसद संजय जायसवाल पर क्रमवार हमला करते हुए पीके ने उक्त नेताओं के अतीत के पन्नों को खोलने का दावा कर भाजपा व जदयू के रणनीतिकारों को परेशानी में डाल दिया है. पीके इस हमलावर राजनीतिक प्रयोग पर वैसे तो विभिन्न नेताओं द्वारा पलटवार किया जा रहा है लेकिन चुनावी माहौल को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर राजनेता चुप्पी साधे हुए हैं. हालांकि चर्चा है कि पीके को सीधे तौर पर जवाब नहीं देना राजग नेताओं की रणनीतिक चाल भी हो सकता है. क्योंकि आप नेता अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक प्रयोग से सबक लेते हुए ज्यादातर नेता जवाबी हमला के बजाय इसे चुनावी स्टंट बताकर आरोप को निराधार करने के प्रयास में लगे हैं.

सीटों के तालमेल को लेकर राजद व कांग्रेस के बीच रस्साकसी

बिहार विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के बावजूद इंडिया समूह के घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल का मामला उलझा हुआ है. जहां एक तरफ राजद रणनीतिकार तेजस्वी यादव को गठबंधन का औपचारिक चेहरा यानी मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित कराने को लेकर कांग्रेस पर दबाव बनाने में लगे हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेसी रणनीतिकार विशेष रणनीति के तहत उम्मीदवार चयन प्रक्रिया को आरंभ करते हुए अकेले चुनाव प्रचार की तैयारी करने में जुट गए हैं. वोट अधिकार यात्रा में राहुल गांधी व तेजस्वी यादव के साथ रहने के बाद भी आपसी दूरियां कम नहीं हुई. संभवत: इसी वजह से जहां एक तरफ तेजस्वी यादव अकेले ही दूसरी यात्रा पर निकाले हैं वहीं दूसरी ओर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी अकेले चुनाव प्रचार अभियान को आगे बढ़ाते हुए रैली करने जा रही हैं. हालांकि इन सबके के बावजूद कांग्रेस व राजद के वार्ताकारों को समन्वय के साथ सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है.

जीएसटी से कहीं राजनीति तो कहीं राहत

जीएसटी की नई दरें नवरात्र के पहले दिन से लागू होने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसे जीएसटी बचत उत्सव बताए जाने के बाद जहां पक्ष व विपक्ष की राजनीति हो रही है वहीं आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर वाली इस घोषणा से ज्यादातर लोग खुश दिख रहे हैं. कांग्रेस इसे देर से उठाया गया कदम बता रही है. कांग्रेसी नेता इस गब्बर टेक्स का नाम देकर पिछले कुछ वर्षों की देरी पर सरकार को घेरने में जुटे है जबकि सत्ताधारी नेता इसे अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाला तथा त्योहार के समय सौगातों की बारिश करने वाला बताकर सरकार का पीठ थपथपा रहे हैं. देश के अर्थशास्त्री भी जीएसटी के 5 फीसदी और 18 फीसदी के सिर्फ दो स्लैब को सरकार द्वारा आम और खास लोगों के साथ-साथ व्यापारियों के लिए भी उत्साहवर्धक बता रहे हैं.

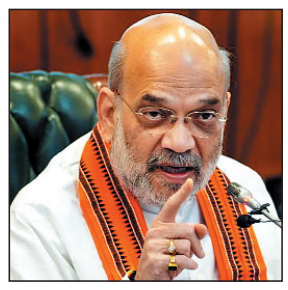

अमित शाह ने बिहार में मोर्चा संभाला

बिहार में सत्ता विरोधी लहर को कुंद करने की रणनीति के साथ गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जमीनी स्तर की तैयारियों की समीक्षा कर अपने स्तर पर मोर्चाबंदी आरंभ कर दी हैं. बिहार को दो भागों में बांट कर बनाई जा रही रणनीति के तहत उत्तर बिहार से ज्यादा दक्षिण बिहार पर फोकस किया जा रहा है. चर्चा है कि अमित शाह ने प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि टिकट बंटवारे में गुटबाजी के बजाय गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखना होगा. खराब रिपोर्ट कार्ड वाले किसी भी स्तर के नेता को टिकट नहीं दिया जाएगा. अमित शाह ने ब्लाक स्तर के पदाधिकारियों से सीधा संवाद स्थापित कर तैयारी को धारदार बनाने का मंत्र देना आरंभ कर दिया है. अमित शाह दस दिन में दूसरी बार बिहार दौरा करने जा रहे हैं.

एक बार फिर स्वदेशी अपनाने की अपील

नई पीढ़ी यदि स्वदेशी का महत्व समझेगी तो यह देश की अर्थव्यवस्था व स्वाभिमान के अनुकूल होगा. जो प्रोडक्ट यहां नहीं बनता उसके लिए अनुसंधान व नवोन्मेष बढ़ाना होगा.

भूमंडलीकरण के दौर में एक बार फिर स्वदेशी की गूंज होना चौंकानेवाली बात है. महात्मा गांधी ने स्वदेशी आंदोलन कर मैनचेस्टर और लीवरपूल से आने वाले विदेशी वस्त्रों की होली जलवाई थी और खादी को देशभक्ति व आत्मनिर्भरता से जोड़ा था. एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी अपनाने के लिए देशवासियों को प्रेरित किया है और चिप से लेकर जहाज तक भारत में बनाने के लिए कहा है. उपभोक्तावाद के दौर में देशवासियों को सोचना होगा कि वह जो खरीद रहे हैं क्या वह भारत निर्मित है! यह सच है कि चीन और ताइवान के सामान से बाजार पटा हुआ है. पुर्जे असेंबल कर बनाए गए मोबाइल फोन, लैपटाप, कंप्यूटर, टीवी आदि को क्या हम स्वदेशी मान लें. कार कंपनियां विदेशी सहयोग से निर्माण कर रही हैं. टाटा को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश कार जर्मन, फ्रेंच, कोरियाई व जापानी भागीदारी वाली कंपनियों की बनी हुई हैं. लोग एक कैंची या नेलकटर भी लेते हैं तो मेड इन कोरिया निकलता है. टूथपेस्ट व रेजर ब्लेड में विदेशी कंपनियों के उत्पादन शामिल हैं. अवश्य ही चतुर-सुजान ग्राहक मन में ठान लें और कोशिश करें तो उसे स्वदेशी विकल्प मिल सकता है, लेकिन हर चीज का नहीं! विदेशी दवा कंपनियों के प्रोडक्ट व मेडिकल उपकरण प्रचलनमें हैं. त्योहार के दौरान बिजली की लड़ी, सजावट का सामान, गणेश-लक्ष्मी की चीन निर्मित प्रतिमाएं भारत के बाजार में उपलब्ध रहती हैं. उसका क्या इलाज है? भले ही दाम कुछ ज्यादा चुकाने पड़ें लेकिन अपने देश के कारीगरों द्वारा निर्मित वस्तुएं खरीदना ही हितकर है. स्वदेशी एक भावना और रहन-सहन का तरीका है. लोग पक्का निश्चय करें तो इसे अपनाया जा सकता है. यह सब अचानक नहीं, क्रमश: होगा इसके लिए सोच बदलनी होगी. हमें जिस चीज की आवश्यकता नहीं है और देश में ही उपलब्ध है, उसे विदेशी दबाव में आकर हम स्वीकार नहीं करेंगे. अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी बाजार में प्रवेश चाहता है जो यहां के किसानों के लिए नुकसानदेह होगा.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

पानीपुरी कम मत देना वरना महिला देगी धरना

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, महात्मा गांधी ने देशवासियों को अपनी मांग को लेकर धरना देना सिखाया था. तब आजादी, स्वदेशी, शराबबंदी जैसे मुद्दों पर धरना दिया जाता था. यह अहिंसक आंदोलन या सत्याग्रह का प्रभावशाली शस्त्र था. आज भी यह तरीका आजमाया जाता है. गुजरात के वडोदरा में एक महिला इस बात को लेकर धरने पर बैठ गई, क्योंकि पानीपुरी वाले ने उसे 6 की बजाय 4 पानीपुरी दी. सिर्फ 2 पानीपुरी कम होने की वजह से वह आंदोलनकारी बन गई.

हमने कहा, जहां अन्याय हो या हक मारा जाए वहां लोग बीच सड़क पर बैठकर धरना देने लगते हैं. गोलगप्पा या पानीपुरी का चटपटा, खट्टा-मीठा स्वाद मुंह में पानी आ जाता है. आपने देखा फुटपाथ पर बड़े शौक से चटखारे लेकर पानीपुरी खाते हैं. ठेलेवाला उसे फोड़कर चना, उबला हुआ आलू भरकर मसालेदार पुदीने व जलजीरे वाले पानी में डुबोकर ग्राहक की प्लेट में रखता चला जाता है. खाने वाले ने एक पानीपुरी मुंह में डाली कि उतने में दूसरी तैयार हो जाती है. असली स्वाद उसके पानी का होता है. नागपुर की पानीपुरी का स्वाद तीखा चटपटा होता है जबकि पुणे में पानी में गुड़ या शक्कर घोल दी जाती है. अपना-अपना टेस्ट है। कुछ लोग दहीपुरी पसंद करते हैं. जब तक ग्राहक बस हो गया नहीं कहता पानीपुरी देने का सिलसिला निरंतर जारी रहता है. बाद में ग्राहक 2 सूखी पूरी खाकर संतुष्ट हो जाता है.

पड़ोसी ने कहा, हमें पानीपुरी की लोकप्रियता मालूम है. यह लोगों को रोजगार देने का बड़ा जरिया है. वैसे तो लोग घर में भी पानीपुरी बना सकते हैं लेकिन उसका असली मजा ठेले पर खाने में है. जब पानीपुरी वाले ने भ्रष्टाचार करते हुए 6 की बजाय सिर्फ 4 पानीपुरी दी तो महिला का जी नहीं भरा. उसने विरोध प्रदर्शन करते हुए वहीं धरना देने की ठान ली क्योंकि मुद्दा सिर्फ 2 पानीपुरी कम देने का नहीं था, बल्कि सिद्धांत का सवाल था. अब हर पानीपुरी विक्रेता सावधान हो जाए, महिलाएं गिनती में पक्की होती हैं. पानीपुरी के कोटे में कटौती की तो वहीं धरने पर बैठ जाएंगी.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12031 - डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं
1. चुगली करना 4. वर्तमान दिन जो बीत रहा है 6. अरब का एक प्रधान नगर जो मुसलमानों का सर्वप्रधान तीर्थ है 7. छोटी कथा, कथा वस्तु 1. जिसका कोई नाम न हो 10. प्रदर्शन, यह मेला जहां अनूठी वस्तुएं प्रदर्शनार्थ अनेक स्थानों से आती हैं (उर्दू) 13. नष्ट करना, लांधना 15. चतुराई, धूर्तता 17. प्रेमपात्र, मित्र (उर्दू) 19. सज्जनता, भलमनसाहत (उर्दू) 23. हिलोर, तरंग 24. टालमटोल

ऊपर से नीचे
1. स्वर्ग की गाय जो सत्र कामनाओं की पूर्ति करने वाली मानी जाती है 2. ताश का एक्का, सुई का छेद 3. लांघना, मात करना 4. मयांदा, अकड़ 5. कसकर बांधना 8. रोकना, गिरने न देना 9. मूल्यवान, बहुमूल्य (उर्दू) 11. छोटी खाट या बड़ी मचिया 12. पृथ्वी, पार्वती, सरस्वती (सं.) 14. निकृष्ट, पतित, कुरा 16. निपुण, प्रवीण 18. समझना, जानना, पहेली का उत्तर निकालना 20. मार्ग, रास्ता 21. रोपंदार चमड़ा जो गर्म कपड़े बनाने तथा अन्य उपयोग में आता है 22. जान से संबंध रखने वाला, जान का, प्राण प्यारी

Solution 12030

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता मेंसफलता मिलेगी, आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, वर्ष के मध्य में शासन सत्ता का सुख प्राप्त होगा, अधिकारियों का कानूनी मामलों में मेलजोल बढ़ेगा, वर्ष के अन्त में यात्रा कष्टदायक हो सकती है, दाम्पत्य जीवन का निर्वहन होगा, व्यस्तता रहेगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में सफलता मिलेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को कानूनी मामलों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यात्रा में कष्ट हो सकता है, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों से मेलजोल बढ़ेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों कोउतावलेपन में हानि हो सकती है, सावधानी रखकर कार्य करना हितकर रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चतुर, बुद्धिमान, व्यवहारकुशल, आशावान, अनुशासनप्रिय, स्पष्टवादी होगा. निर्णय करने की क्षमता इनमें अधिक होती है. अपने कार्य के प्रति सदैव सजग रहेगा. नेतृत्व प्रधान होगा. माता पिता के प्रति श्रद्धा रखने वाला होगा.

मेष- व्यर्थ के विवाद से बचें. नवीन संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. लभ होगा. भूमि भवन के कार्यो पर विचार होगा.

वृषभ- भय एवं चिन्ता दूर होगी. स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी. व्यापार व्यवसाय में अच्छी सफलता प्राप्त होगी. आशा के अनुकूल लाभ मिलेगा.

मिथुन- अनचाहे स्थान की यात्रा होगी. आर्थिक मामलों में लाभ होगा. छोटी मोटी बातों पर चिन्ता रहेगी. शुभ संदेश प्राप्त होने का योग है.

कर्क- उपहार तथा सम्मान मिलेगा. व्यवहारिक क्षमता से बिगड़े कामकाज बनेंगे. वाद विवाद से बचने का प्रयास करें. मित्र मिलन होगा.

सिंह- किसी महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त रहेंगे. पारिवारिक चिन्ता रहेगी . अधिकारी वर्ग से विवाद पराक्रम बढ़ेगा. जोखिम से सतर्क रहें.

कन्या- धार्मिक कार्यो में लगन व निष्ठा बनी रहेगी. यात्रा देशाटन में सामान का पूरा ध्यान रखें. व्यर्थ के कार्यो में धन का अपव्यय होगा.

तुला- पारिवारिक कार्य फलीभूत होंगे. मनोरंजन पर व्यय होगा. भूमि भवन मकानादि की समस्या हल होगी. निर्माण के कार्यो पर विचार होगा.

वृश्चिक- दाम्पत्य जीवन आनन्दमय रहेगा. आपसी व्यक्ति सहयोग करेंगे. अतिथि आगमन का योग है.कामकाज में उन्नति के योग है.

धनु- आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. व्यसन से बचने का प्रयास करें. संतान के कार्यो की प्रशंसा होगी. नवीन योजना बनेगी. आय का नया मार्ग सामने आयेगा.

मकर- किसी बड़े सदस्य का सहयोग रहेगा. पत्राचार करते समय सावधानी रखें. निजी पुरूषार्थ का लाभ प्राप्त होगा. मनोरंजक यात्रा होगी.

कुम्भ- आर्थिक कार्य बनने का योग है. पारिवारिक कार्य में गति आयेगी. स्वास्थ्य की चिन्ता रह सकती है. मित्रता उपयोगी रहेगी.

मीन- धार्मिक योजनाओं में वृद्धि होगी. पारिवारिक चिन्ता रहेगी. जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा. आशा से अधिक सफलता मिलेगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

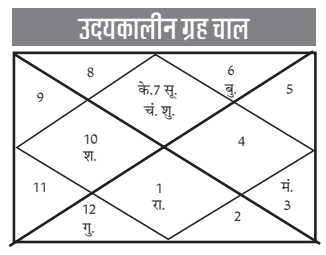

रा.मि. 02 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल तृतीया बुधवासरे रात 4/37, चित्रा नक्षत्रे दिन 3/26 ऐन्द्र योगे रात 9/20, तैतिल करणे सू.उ. 6/0, सू.अ. 6/0, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल तृतीया को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से अलसी, सरसों, गेहूँ, जौ, चना, चांवल, मूँग, मोठ, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. नारियल, दाख, सुपारी, मोला, के भाव में तेजी का रूख रहेगा. रूई, कपास, बिनौला, वायदा, विचार आज श्रेष्ठ रहेगा. भाग्यांक 5756 है.

SUDOKU 7163

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सु-दोकू 7162

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5